

श्री सभापति : मगर आप बीच में फिर आ गए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : आपने उस तरफ के सभी मेम्बर्स को मौका दिया। ...**(व्यवधान)**... कांग्रेस पार्टी की तरफ से ...**(व्यवधान)**... आप किसी को भी मौका नहीं देना चाहते। ...**(व्यवधान)**... हम सीमाओं से बंधे हैं।

Investment plan of sail to expand and modernise projects in Jharkhand

*21. SHRI SANJIV KUMAR : Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Steel Authority of India Ltd. (SAIL) is planning to invest more than 95,000 crore to expand and modernize various projects across Jharkhand;

(b) if so, whether it will include revival of Sindri unit of FCIL, wholly owned subsidiary of SAIL incorporated in November 2011, for the purpose;

(c) how Government plans to provide 3247 acres of land required for the project out of total land of 6652 acres with FCIL at Sindri, of which only 498 acres is encroachment free and how SAIL is planning to pull resources for this; and

(d) the future plans of Government to support FCIL at Sindri? Security breach at Indian airports ?

THE MINISTER OF STEEL (SHRI NARENDRA SINGH TOMAR): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (d) Steel Authority of India Limited (SAIL) is in the process of investing about ₹11,000 crore as per their on-going phase of modernization and expansion of Bokaro Steel Plant and mines in Jharkhand. This does not include revival of Sindri unit of Fertilizer Corporation of India Limited (FCIL). SAIL explored the possibility of revival of Sindri plant but due to non-availability of minimum of 3247 acres of contiguous and encroachment free land, the project could not be pursued further. The Government is considering other alternatives for revival of fertilizer unit at Sindri.

SHRI SANJIV KUMAR: The Steel Authority of India Limited is in the process of investing about ₹11,000 crores as per their ongoing phase of modernization and expansion of the Bokaro Steel City Plant and mines in Jharkhand. I want to ask the hon. Minister whether this will also include the Government looking into the long-standing displacement problem in Bokaro Steel City because of mines and steel plant.

श्री नरेंद्र सिंह तोमर : माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न उठाया है, मैं उस संबंध में बताना चाहता हूँ कि बोकारो स्टील प्लांट में आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण का काम हो रहा है। वहाँ विस्थापन की जिस समस्या का जिक्र किया गया है, हम उस पर निश्चित रूप से ध्यान देंगे।

श्री सभापति : दूसरा प्रश्न।

SHRI SANJIV KUMAR: Sir, I have been told that this process does not include the revival of the Sindri unit of the Fertilizer Corporation of India Limited. SAIL explored the possibility of the revival of the Sindri plant, but due to the non-availability of minimum 3,247 acres of contiguous and encroachment-free land, the project could not be pursued further. The Government is considering other alternatives for the revival of the fertilizer unit at Sindri. I want to ask the hon. Minister what those alternatives are.

श्री नरेंद्र सिंह तोमर : माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो कहा है, वह सत्य है। 2011 और 2013 में सिंदरी फर्टिलाइजर प्लांट का पुनरुद्धार किया जाए, इस मामले में एक निर्णय हुआ था और सेल को इसकी जवाबदारी दी गई थी। सेल और फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के लोगों ने स्थल का निरीक्षण किया। जब सेल को वहाँ पर स्टील प्लांट लगाना था, तो उसके लिए भूमि की आवश्यकता थी। फर्टिलाइजर प्लांट के लिए भूमि की उपलब्धता है, लेकिन पावर प्लांट के लिए भी भूमि की आवश्यकता थी ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please. Let him complete.

श्री नरेंद्र सिंह तोमर : उस भूमि की 3247 एकड़ के आसपास आवश्यकता थी। जब उस भूमि की उपलब्धता नहीं हुई, तो निश्चित रूप से सेल ने, जो उसका विचार था, उसको स्थगित कर दिया, क्योंकि यदि स्टील प्लांट लगाना है, तो 3000 एकड़ से अधिक भूमि की आवश्यकता होगी ही। यदि वहाँ पावर प्लांट लगाना है, तो उसके लिए भी भूमि की आवश्यकता होगी ही। फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के पास भूमि है, लेकिन उस भूमि पर पूरी तरह से अतिक्रमण है और इस समय वह भूमि काम करने के योग्य नहीं है। इसलिए सेल ने अपने विचार को स्थगित किया था। चूंकि फर्टिलाइजर मंत्रालय इस यूनिट को रिवाइव करना चाहता है, क्योंकि जगदीशपुर से हल्दिया तक गैस पाइपलाइन जा रही है और यह उस क्षेत्र में विकास की दृष्टि से भी आवश्यक है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय अपनी सिंदरी यूनिट का पुनरुद्धार करने की दृष्टि से विचार कर रहा है और कार्यवाही भी कर रहा है।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Respected Chairman, Sir, the Steel Authority of India is one of the vital factors in the Indian economy. It is a very important basis of the Indian industry. Besides Jharkhand, the Steel Authority of India also has a role to play across the country. In Telangana and Andhra Pradesh, it has a very important involvement. I would like to know from the hon. Minister

what the planning of the Steel Authority of India is for expansion and what its investment proposals are while taking up projects in Telangana and Andhra Pradesh, besides Jharkhand.

श्री नरेंद्र सिंह तोमर : माननीय सभापति जी, जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा है कि सेल एक महत्वपूर्ण संस्थान है और अर्थव्यवस्था में उसका महत्वपूर्ण योगदान है, तो सेल ने अपने आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण की योजना का प्रथम चरण प्रारंभ किया है, जिस पर लगभग 72 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और वह काम अंतिम चरण में है। सेल अभी 13 मिलियन टन स्टील का उत्पादन करता है, लेकिन एक्सपेंशन और आधुनिकीकरण पूरा होने के बाद इसकी उत्पादन क्षमता 23 मिलियन टन हो जाएगी। सेल 2025 तक स्टील उत्पादन की क्षमता 50 मिलियन टन करे, इस दृष्टि से उसने अपनी योजना बनाई है। सेल इस बात का भी प्रयत्न कर रहा है कि जहां ओर की अधिक उपलब्धता है, ऐसे राज्यों में हम एसपीजी राज्यों के साथ मिल कर बनाएँ और स्टील के उत्पादन में अपना योगदान दें।

श्री हरिवंश : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस्पात मंत्री जी से यह जानना चाहूँगा कि क्या इस्पात मंत्री जी को इस बात की सूचना है कि उनके ही एक सहयोगी माननीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री अनंत कुमार ने 30 नवंबर को धनबाद में सिंदरी कारखाने के बारे में कहा कि सिंदरी खाद कारखाना खुलेगा और सिंदरी पूरे पूर्वी भारत का यूरिया और फर्टिलाइजर का हब बनेगा। आपकी सूचना के लिए मैं बताना चाहता हूँ कि 1992 में यह कारखाना बीआईएफआर को रेफर हुआ और 2002 में बंद हुआ। तब से लेकर अब तक हमारे जो-जो रसायन मंत्री या इस्पात मंत्री हुए, वे लगातार घोषणा करते रहे कि यह और बिहार स्थित बरौनी फर्टिलाइजर कारखाना खुलेगा, पर आज तक कुछ नहीं हुआ। क्या हमें एहसास है कि मंत्रियों के इस तरह के बयान से राजनीति या व्यवस्था की साख कैसे खत्म होती है? ऐसे बयान देने के बाद किस तरह कदम उठाए जाते हैं, वह भी जनता को बताया जाना चाहिए।

श्री नरेंद्र सिंह तोमर : माननीय सभापति जी, मुझे ज्ञात नहीं है कि किस मंत्री ने बयान दिया, लेकिन मैंने माननीय सदस्य की भावना के अनुरूप पहले ही उत्तर में बताया है कि रसायन और उर्वरक मंत्रालय सिंदरी फर्टिलाइजर प्लांट को पुनर्जीवित करने की दृष्टि से विचार और कार्रवाई, दोनों कर रहा है, जो प्रचलित है।

श्री हरिवंश : सर, माननीय अनंत कुमार जी ने बयान दिया था, मैं यह बताना चाहूँगा।

श्री गुलाम रसूल बलियावी : सर, अभी जो फर्टिलाइजर वाली बात चली है और इस पर जो चर्चा हुई है, हमें याद है कि आज जो माननीय केंद्रीय मंत्री हैं, उस जमाने में बरौनी के फर्टिलाइजर प्लांट को चालू करने के लिए वे धरने पर भी बैठे थे। जैसा कि हरिवंश बाबू ने बताया है कि चाहे झारखंड हो, चाहे बिहार हो, बरौनी और सिंदरी फर्टिलाइजर प्लांट्स पर लगातार बयानबाजी हो रही है और जनता पूछती है। यह जो कहीं-न-कहीं छलने वाला एक शूबहा और संदेह है, इस सिलसिले में सदन को कोई ठोस जवाब मिले, ताकि जनता भी इससे अवगत हो सके कि यह खुलेगा या नहीं खुलेगा।

† جناب غلام رسول بلیاوی: سر، ابھی جو فرٹیلانیزر والی بات چلی ہے اور اس پر جو چرچا ہوئی ہے، ہمیں یاد ہے کہ آج جو مائٹے کینڈریہ منتری ہیں، اس زمانے میں برونی کے فرٹیلانیزر پلانٹ کو چالو کرنے کے لئے وہ دھرنے پر بیٹھے تھے۔ جیسا کہ ہری-ونش بابو نے بتایا ہے کہ چاہے جہار کھنڈ ہو، چاہے بہار ہوں، برونی اور سندری فرٹیلانیزر پلانٹس پر لگاتار بیان بازی ہو رہی ہے اور جنتا پوجھتی ہے۔ یہ جو کہیں نہ کہیں چھانے والا ایک شبہ اور سندیہ ہے، اس سلسلے میں سدن کو کوئی ٹھوس جواب ملے، تاکہ جنتا بھی اس سے اوگت ہو سکے کہ یہ کھلے گا یا نہیں کھلے گا۔

श्री नरेंद्र सिंह तोमर : माननीय सभापति जी, मैंने वैसे पहले उत्तर में बता दिया है, मैं माननीय सदस्य को यह आश्वस्त करना चाहता हूँ कि पहले जो भी हुआ हो, लेकिन नई सरकार बनने के बाद प्रधान मंत्री कार्यालय के निर्देश पर जगदीशपुर से हल्दिया तक जाने वाली गैस पाइपलाइन का पूरा उपयोग हो, उस पूरे परिक्षेत्र में औद्योगिकीकरण हो, इस दृष्टि से गम्भीर प्रयत्न हो रहे हैं।

Security breach at Indian airports

*22. SHRI T. K. RANGARAJAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the Airport and date-wise number of security breaches that took place at Indian airports;

(b) the steps taken so far to contain them; and

(c) what steps are being taken to prevent such security breaches at private airports?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI HARIBHAI PARTHIBHAI CHAUDHARY): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) As per the information provided by Ministry of Civil Aviation, details of cases of security breaches/lapses reported at various airports during the years 2011, 2012, 2013, 2014 and 2015 are given in Statement-I and II (See below).

(b) and (c) Ministry of Civil Aviation (MCA) is the nodal Ministry for Civil Aviation Security in the country. Bureau of Civil Aviation Security (BCAS), under the Ministry of Civil Aviation, issues necessary guidelines/ instructions/orders from time to time in regard to civil aviation security, including instructions/orders etc. for preventing security breaches/lapses. BCAS investigates into incidents of such lapses/ security breaches on a need basis and brings such security breaches/lapses to the notice of the concerned agencies for taking appropriate corrective/remedial action.

† Transliteration in Urdu script.